करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हथकरघा क्षेत्र के लिए सूती धागे की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने वर्तमान सूती धागा आपूर्ति प्रणाली में कुछ सुधार किए हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार इस सूती धागे पर राज-सहायता देती है और इस सूती धागे का अधिकांश भाग अन्य क्षेत्रों को चला जाता है ;

(ग) यदि हां, तो वर्तमान प्रणाली में क्या-क्या सुधार किए गए हैं; और

(घ) यदि कोई सुधार नहीं किए गए हैं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री **अशोक गहलोत**): (क) सरकार ने अपनी नीति उपायों के माध्यम से, जिनकी बाजार स्थिति को देखते हुए समय-समय पर समीक्षा की जाती है, हथकरघा क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में सूती धागा उपलब्ध कराने के प्रयत्न किए हैं।

(ख) जी नहीं।

(ग) कोन यार्न पर शुल्क में आंशिक समायोजन, हथकरघा बुनकरों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हैंक यार्न को शुल्क से मुक्त रखने, नई कताई मिलों अथवा वर्तमान मिलों के विस्तार और उनके आधुनिकीकरण के लिए राशि के प्रावधान से हथकरघा क्षेत्र में हैंक यार्न की उपलब्धता में वृद्धि होगी। हथकरघा बुनकरों को सूत की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए हैंक यार्न दायित्व अधिसूचना भी एक उपाय है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Tenders Floated for Selling of Cotton by Cotton Corporation of India

2655. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Cotton Corporation of India is floating tenders to sell cotton in Nepal Bangladesh and Sri Lanka markets; and

(b) if so, what is the quantity intended for export and at what rates?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) Government has authorised the Cotton Corporation of India to meet the requirements of cotton some of our neighbouring countries like Nepal, Bangladesh and Sri Lanka, in the context of bilateral trade agreements, upto 30,000 bales. The CCI has accordingly floated tenders for export of the afore-said quantity of cotton which will be sold at the prevailing international prices subject to the minimum export price fixed by Government.

Incentive on handloom product instead on concession in taxes on yarn

2656. SHRI SOM PAL:
DR. NAUNIHAL SINGH:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that concessions in taxes on yarn supplied to handloom industry are being misused and such yarn goes to textile mills and powerlooms; and

(b) if so, whether Government propose to consider an alternative of incentives on the final handloom product which will directly benefit the handloom sector?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) While Government has no specific information of such mis-use, Government has received reports that cross-reeled hank yarn is liable to be used in powerlooms.

Government is implementing a ket Development Assistance Scheand spends over Rs. 60 crores anally from the Cenral Budget with a matchjng contribution from the State Governments to promote marketing of handloom products through eligible marketing agencies as a measure to promote the handloom sector.

उत्तर प्रदेश में वस्त्र निगम मिलें

2657. **मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के अधीन उत्तर प्रदेश की कौन-कौन सी वस्त्र मिलें हैं और ये कहां-कहां स्थित हैं ;

(ख) उनकी मौजूदा वित्तीय स्थिति क्या है ;

(ग) वस्त्र उद्योग की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए हैं और उनका क्या परिणाम रहा है ;

(घ) इस समय इस उद्योग को कौन-कौन सी प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ; और

(ङ) इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) और (ख) एन टी सी (उ० प्र०) लि० के अधीन वस्त्र मिलों के नाम, स्थिति तथा लाभ/घाटे की स्थिति को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिये)**

(ग) से (ङ) एन टी सी के अधीन वस्त्र मिलों के सामने पेश आ रही समस्याओं में शामिल हैं :-अप्रचलित मशीनें, कम उत्पादकता, फालतू श्रमिक बल, कम क्षमता उपयोग, अपर्याप्त आधुनिकीकरण आदि। एन टी सी ने इन मिलों का पुनरुद्धार करने के लिए एक नीति बनाई है जिसमें आधुनिकीकरण, श्रमिक सुव्यवस्थीकरण वित्तीय पुनर्निर्माण आदि शामिल हैं।

विवरण

एन टी सी (उ०प्र०) लि० के निबल लाभ/घाटे

क्र०सं०	विवरण	1991-92
		अनन्तिम घाटे (करोड़ रुपये में)
1.	श्री विक्रम काटन मिल्स, लखनऊ	-2.06
2.	बिजली काटन मिल्स, हाथरस	-1.99
3.	स्वदेशी काटन मिल्स, माउनाथ भंजन	-1.18
4.	रायबरेली टेक्सटाइल मिल्स, रायबरेली	-0.94
5.	स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी	-2.39